

सकृद् अव्य. (तत्.) सकृत् का वह रूप जो समस्त पदों के पहले लगने पर प्राप्त होता है, जैसे सकृद्ग्रह।

सकेत पुं. (तद्.) 1. संकेत, इशारा 2. संकेत-स्थल (प्रेमी-प्रेमिका के मिलने का एकांत स्थान) वि. सँकरा, संकीर्ण।

सकेतना अ.क्रि. (तद्.) संकुचित होना, सिमटना, सिकुड़ना **स.क्रि.** संकुचित करना, सिकोड़ना।

सकोरा पुं. (देश.) कटोरी जैसा मिट्टी का एक बरतन, कसोरा।

सक्कर स्त्री. (तद्.) शक्कर।

सक्करी स्त्री. (तद्.) शर्करी नामक छंद का तद्भव रूप।

सक्का पुं. (अर.) 1. भिंती, वह व्यक्ति जो मशक में पानी भरकर पिलाता है 2. एक पक्षी।

सक्त वि. (तत्.) 1. सलंग्न, प्रवृत्त 2. लीन, सटा हुआ, संपृक्त 3. अनुरक्त, भक्त 4. शौकीन 5. आसक्त।

सक्त चक्र पुं. (तद्.+तत्.) शक्तिशाली राष्ट्रों से घिरा हुआ राष्ट्र।

सक्त मूत्र वि. (तद्.+तत्.) वह व्यक्ति जिसे कठिनाई के साथ थोड़ा-थोड़ा पेशाब उतरे (चरक संहिता)।

सक्तु पुं. (तत्.) भूने हुए जौ और चने का आटा, सत्तू।

सक्तुक पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का विषैला फल जिसकी गांठ में सत्तू के समान चूरा भरा रहता है 2. सत्तू।

सक्तुकार पुं. (तत्.) 1. भूने हुए चने या जौ के बने सत्तू को बेचने वाला 2. सत्तू को बनाने वाला।

सक्तूफला स्त्री. (तत्.) शमी वृक्ष, सफेद कीकर।

सक्थि पुं. (तत्.) 1. अस्थि, हड्डी 2. जंघा, जाँघ 3. छकड़े या बैलगाड़ी का लट्ठा 4. एक मर्मस्थान जो शरीर के ग्यारह मुख्य मर्म स्थानों में माना गया है (सुश्रुत संहिता)।

सक्थी पुं. (तत्.) दे. सक्थि।

सक्र पुं. (तद्.) शक्र, इन्द्र।

सक्रघण पुं. (तद्.) शक्रपति, विष्णु।

सक्र सरोवर पुं. (तद्.+तत्.) शक्रसरोवर, इंद्र कुंड नामक स्थान जो ब्रज में है।

सक्रारि पुं. (तद्.) 1. इन्द्र का शत्रु, शक्रारि 2. वृत्रासुर 3. मेघनाद।

सक्ष वि. (तत्.) 1. जिसका अतिक्रमण हो सके, जो लाँघा जा सके 2. पराजित, हारा हुआ।

सक्षम वि. (तत्.) 1. क्षमता युक्त, शक्तिशाली, समर्थ 2. क्षमा युक्त 3. जो किसी विशिष्ट कार्य को करने के लिए उपयुक्त हो।

सख पुं. (तत्.) 1. सखा, मित्र, साथी 2. एक प्रकार का वृक्ष।

सखर पुं. (तत्.) एक राक्षस का नाम वि. तेज धार वाला, प्रखर, पैना, तीव्र।

सखरण पुं. (तद्.) शिखरन।

सखरस पुं. (तत्.) मक्खन।

सखरा पुं. (देश.) कच्ची रसोई, कच्चा भोजन (जैसे- दाल-भात, रोटी) टि. खारा, कच्ची रसोई में प्रयुक्त (बर्तन)।

सखरी स्त्री. (देश.) 1. छोटा पहाड़, पहाड़ी 2. कच्ची रसोई।

सखसावन पुं. (देश.) आरामकुर्सी, पालकी, पलंग।

सखा पुं. (तत्.) 1. साथी, संगी, मित्र, सहचर, दोस्त 2. साहित्य में वह व्यक्ति जो नायक का सहचर हो।

सखावत स्त्री. (अर.) 1. सखी होने का भाव या अवस्था 2. दानशीलता, उदारता।

सखिता स्त्री. (तत्.) सखित्व, मैत्री, दोस्ती।

सखित्व पुं. (तत्.) सखिता, मैत्री, दोस्ती।

सखिनी स्त्री. (तत्.) सखी, सहेली।

सखी स्त्री. (तत्.) 1. सहेली, संगिनी, सहचरी 2. साहित्य में नायिका के साथ रहने वाली वह स्त्री जो उसकी अंतरंग होती है एवं सब बातों में